

THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI R. K. KHADILKAR) (a) Yes.

(b) It is reported that five workers were dismissed for misconduct.

(c) and (d). Some allegations have been made, which are being looked into.

डाई-एमोनिया फास्फेट में आत्म-निर्भरता और इसका भूमि की उर्वरा शक्ति पर प्रभाव

4939 श्री महा दीपक सिंह : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या डाई-एमोनिया फास्फेट उर्वरक के उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति स्थायी तौर पर बढ़ जाती है,

(ख) क्या उपरोक्त उर्वरक विदेश से आयात किया जाता था और अब इसका आयात बन्द कर दिया गया है, और

(ग) क्या सरकार ने इस उर्वरक के उत्पादन के लिए इसकी आवश्यकता की पूर्ति हेतु देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कोई नया कारखाना स्थापित किया है ?

कृषि मन्त्रालय में राज्य मंत्री (श्री जे.ए. सिंह) : (क) डाई-एमोनियम (18-46-0) में नाइट्रोजन और फास्फेट दोनों ही विद्यमान हैं। नाइट्रोजन के विषय में, शेष प्रविष्ट बहुत ही थोड़ा है क्योंकि नाइट्रोजन का अधिकांश गुण या तो फसल द्वारा ले लिया जाता है या धोल कर बहाने या शोरा निकाल कर समाप्त कर दिया जाता है। जहाँ तक फास्फोरस युक्त उर्वरक का संबंध है इसके उर्वरीकरण के तुरन्त पश्चात् लग-

भग 10 से 30% तक की बसूली हो जाती है और उस फसल से जो मूल्य बसूल नहीं हो पाता वह भावी फसल के लिए हितकर सिद्ध होता है। शेष फास्फोरस अर्थात् अतिरिक्त रूप से पौधों में कितने ही वर्षों तक उपलब्ध रहता है और पौधे उसे लेते रहते हैं यदि जल और नमी का फासफोरम से सम्पर्क उचित मात्रा में हो।

(ख) वर्षों 1971-72 के दौरान प्रयोग के लिए 1,59,500 मीटरी टन डाई-एमोनियम फास्फेट को संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा से आयात करने के ठेके दिए गए हैं। डाई-एमोनियम फास्फेट की 2,00,000 मीटरी टन की एक और मात्रा खरीफ 1972 में प्रयोग के लिए आयात की जा रही है।

(ग) देश में आजकल गुजरात राज्य उर्वरक लिमिटेड, डाई-एमोनियम फास्फेट का उत्पादन कर रहा है। देश को एन-पी उर्वरकों में आत्म-निर्भर बनाने के लिए, विभिन्न किस्म के एन-पी और एन-पी-के उर्वरकों के उत्पादन हेतु, उर्वरक कारखाने लगाने के लिए प्रयत्न किए जा रहे हैं।

World Bank aid for Agricultural Development in Andhra Pradesh

4940. SHRI P NARASIMHA REDDY Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) the salient features of the schemes proposed for agricultural development in Andhra Pradesh with World Bank assistance,

(b) whether two Districts, viz., Chittoor and Adilabad stand excluded from such scheme, and